हम हार के अपनों से बाबा दर पे आए है भजन लिरिक्स

हम हार के अपनों से,
बाबा दर पे आए है,
गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनो से,
बाबा दर पे आए है।bd।

तर्ज – एक प्यार का नगमा है।

सब मतलब से बाबा,
रिश्तों को निभाते है,
एक ऐसी बीमारी ये,
अंधे बन जाते है,
अपनों से छल करते,
उन्हें निचा गिराते है,
गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनो से,
बाबा दर पे आए है।bd।

एक ऐसा समय भी था,
सब संग में रहते थे,
सुख दु:ख सारे मिलकर,
बांटा किया करते थे,
लालच में वो घिरकर के,
हमें आँख दिखाते है,
गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनो से,
बाबा दर पे आए है।bd।

ये ऐसा कलयुग है,
जहाँ छल और बस छल है,
तेरा प्रेमी भी बाबा,
इसकी चंगुल में है,
'निखिल' हारे बैठा,
तेरी ओट में आया है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनो से,
बाबा दर पे आए है।bd।

हम हार के अपनों से,
बाबा दर पे आए है,
गले अपने लगा लो ना,
तेरी शरण में आए है,
हम हार के अपनो से,
बाबा दर पे आए है।bd।

Singer – Nikhil Goel

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com